

गीत अगीत

कवि – रामधारी सिंह दिनकर





रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 1908 में सिमरिया नामक गांव बिहार में हुआ। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पटना विश्वविद्यालय में पूरी की। इसके बाद ये अध्यापन क्षेत्र में आ गए। साथ ही साहित्य सृजन भी करने लगे। साहित्यिक सेवाओं से प्रभावित होकर भारत सरकार ने 1962 में उन्हें राज्यसभा में मनोनीत सदस्य के रूप में निमंत्रित किया। कई वर्ष तक राज्य सभा में रहते हुए इन्होंने हिंदी का प्रबल समर्थन भी किया। भारत सरकार ने इन्हें पद्म भूषण की उपाधि भी दी।



प्रस्तुत कविता गीत अगीत में प्रकृति के सौंदर्य के अतिरिक्त जीव जंतुओं के ममत्व, मानवीय प्रेम भाव का सजीव चित्रण किया है। कवि को नदी के बहाव में गीत का सृजन होता जान पड़ता है तो शुक शुकी के कार्यकलापों में भी गीत सुनाई देता है और आल्हा गाता 'ग्वाल—बाल तो गीत गाता दिखाई देता ही है। सभी का मानना है कि नदी और शुक गीत सर्जन भले ही ना कर रहे हो पर दरअसल वहां गीत का सृजन और गान हो रहा है। कवि की दुविधा महज इतनी है कि उनको वह अगीत जो गाया नहीं जा रहा है महज इसलिए अगीत है। सुंदर है ग्वाल बाल द्वारा सस्वर गाया जा रहा गीत?

